ऑलिया अल्लाह की प्रतिभा

भाषांतरः- उन्ही के लिए सांसारिक जीवन एवं आखिरत में शुभ-सूचना है, अल्लाह के शब्द में कोई बदलाव नहीं, यही बड़ी सफलता है।

(सुरह अल यूनुस:10:64)

इस धन्य आयत में अल्लाह तआ़ला ऑलिया अल्लाह की प्रतिभा व वैभव से संबंधित आदेश किया के इन का संसार एवं आखिरत व परलोक प्रत्येक दो को आनंदमय बना दिया गया है। अल्लाह तआ़ला ने संसार में भी इन के लिए बुलंदी व सम्मान रखा है एवं आखिरत मं भी इन्हें कृपा व उच्च स्तर से संबोधित किया है। इस आयत के विस्तार करते हुए इमाम सुयूती रहमतुल्लाहि अलैह हदीस पाक में व्याख्या करते हैः-

भाषांतरः- हज़रत अबु हुरैरह रज़ियल्लाहु तआला अन्हु इस आयत के विस्तार में हज़रत नबी करीम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम का आदेश वर्णन करते हैं, हुज़ूर पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने फरमायाः संसार की शुभ सूचना नेक सपना है। जिन्हें अल्लाह तआ़ला का नेक बन्दा व सेवक देखा करता है या इस के अधिकार में (दुसरों को) दिखाया जाता है एवं आखिरत व परलोक में शुभ सूचना से तात्पर्य जन्नत है।

(दुर्रे मनसूर, सुरह अल यूनुसः 10:64)

धर्मनिष्ठ व पुण्यात्मा के लिए क़ुरान व हदीस में शुभ सूचना

धर्म के पूर्वजों व बुज़ुर्गों की प्रतिभा तथा इन की उत्तमता का अंदाज़ा लगाएं के अल्लाह तआ़ाला ने इस प्रेम व स्नेह का प्रदर्शन किया है। सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ाला अलैहि वसल्लम ने इन की स्वीकृत को स्पष्ट किया है एवं ऑलिया अल्लाह को व्यक्तिगत रूप पर भी इन की स्वीकृत की गवाही प्रदान होती है। इन का वर्णन करते हुए अ़ल्लामा नासेर उद्दीन बैज़ावी रहमतुल्लाहि अलैह लिखते हैः-

ये वह शुभ सूचना हैं जो परहेज़गारों व धर्मनिष्ठ को अल्लाह तआ़ाला के कलाम एवं नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ाला अलैहि वसल्लम की पावन ज़ुबान के द्वारा दी गईं हैं।

सपना एवं इल्हाम व मुकाशिफात के द्वारा इन पर आभूषण होते हैं। इन के देहान्त से पूर्व फरिश्तों की ओर से शुभ समाचार मिलती है। एवं आखिरत में फरिश्ते इन का स्वागत करते हैं। इन के लिए सुरक्षा व कुशलक्षेम का सामान पेश करते हैं एवं सफलता व उच्चता प्रदान होने की शुभ-सूचना सुनाते हैं।

(अल अनवारुल तनज़ील वा इसरार उल तावील लिल बैज़ावी, सुरह यूनुसः 10:64)

संसार में पुण्यात्मा का स्मरण- स्वीकृत की दलील

संसार में शुभ सूचना से तात्पर्य ये है के लोग इन धर्मनिष्ठ पूर्वजों की प्रशंसा करते हैं। इन की प्रतिभा व वैभव वर्णन करते हैं। प्रत्येक स्थान इन का कुशल वर्णन हुआ करता है।

इन की उच्चता व सम्मान के चर्चे होते रहते हैं तथा आखिरत में इन के लिए जन्नत एवं इस के वरदान हैं। अर्थात अल्लामा अबुल हसन अ़ली

खाज़िन रहमतुल्लाहि अलैह ने उपर्युक्त वर्णन आयत की विस्तार की है, इन में से विस्तार पेश हैः-

पावन आयत में जिस शुभ सूचना का वर्णन किया गया है इस से तात्पर्य संसार में इन की अच्छी प्रशंसा है तथा आखिरत व परलोक में इस शुभ सूचना से जन्नत तात्पर्य है।

(तफसीर अल खाज़िन, सुरह अल यूनुसः 10:64 / तफसीर नसफी, सुरह यूनुसः 10:64)

इस बुनियाद पर अल्लाह तआ़ला के बन्दे व सेवक धर्म के पूर्वजों व सेवकों से अखीदत व स्नेह रखते हैं। इन की परिश्रम व दृढ़ता को देखते हैं तथा इन से अपना जीवन संवारने की चिन्ता करते हैं एवं इन की प्रतिभा व वैभव का वर्णन किया करते हैं। इस सिलसिले में सहीह मुसलिम की हदीस पेश की जाती हैः-

भाषांतरः- हज़रत सैयदना अबु ज़र ग़िफारी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से व्याख्या है, आप ने फरमायाः हज़रत रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम की सेवा में निवेदन किया गयाः इस व्यक्ति के बारे में क्य निर्देश करते हैं, जो नेक व भले कर्म करता है तथा इस कर्म पर लोग इस की प्रशंसा करते हैं? नबी रहमत सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश कियाः वह मोमिन को शीघ्र मिलने वाली शुभ सूचना है।

(सहीह मुसलिम, हदीस संख्याः 6891)

इस हदीस पाक की शरह करते हुए इमाम मोहिउद्दनी नववी रहमतुल्लाहि अलैह लिखते हैः-

विद्वानों ने कहा के शीघ्र मिने वाली खुशी से तात्पर्य इन के लिए भलाइयों की सौगात है जो इन के लिए आखिरत में मिलने वाली खुशी की दलील है। अर्थात अल्लाह तआ़ला का आदेश हैः-

भाषांतरः- आज तुम्हारे लिए ऐसे बाग़ की शुभ सूचना है।

(सुरह अल हदीदः 12)

सर्व ब्रह्माण्ड में परमप्रिय

ऑलिया अल्लाह को संसार में ये शीघ्र मिलने वाली संतुष्टि व आनन्द इन के लिए अल्लाह तआ़ला की प्रसन्नता के लक्षण हैं। अल्लाह तआ़ला की मुहब्बत व प्रेम की संकेत हैं। क्यों के इन धर्म के पूर्वजों एवं ऑलिया अल्लाह का अपने रब की ओर ध्यान होना ही अल्लाह के दरबार में इन की स्वीकृत को उजागर करता है।

इन के दिल दीप्तिमान व रोशन हो जाते हैं। नूर से उज्जवल हो जाते हैं। इसी नुरानियत की बरकत व आशीर्वाद इन के चेहरों पर भी उजागर होती है। अनवार व कांति से इन की पेशानी चमकने लगती है।

दृढ़ता व निष्ठा के प्रभाव इन के जीवन में प्रकट होने लगते हैं। जिस कारण से अल्लाह तआ़ला के प्राणी इन के निकट होते हैं। इन के दरबारों में उपस्थिति हुआ करते हैं। इन की प्रतिभा, सम्मान व आदर स्मरण करते हैं।

स्नेह व मुहब्बत का प्रदर्शन करती है। इन से बरकतें व आशीष प्राप्त करते हैं एवं इन का कुशल स्मरण कर के अपने दामन व कामना को भर कर संबोधित हो कर धनी होते हैं।

इन के अखीदों का प्रदर्शन व्यक्तिपरक चिन्ता की नीव पर नहीं होता एवं ना किसी व्यक्ति के पाबंद करने से होता है। बल्कि इन्हें अल्लाह तआ़ला के दरबार से इस की मार्गदर्शन होती है। सहीह बुखारी एवं इस के अतिरिक्त अन्य प्रमाणित ह़दीस की पुस्तकों में रिवायत उपलब्ध हैः-

भाषांतरः- ह़ज़रत सैयदना अबु हुरैरह रज़ियल्लाहु तआला अन्हु ह़ज़रत नबी करीम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम से वर्णित करते हैं, सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश कियाः जब अल्लाह तआ़ला बन्दे व सेवक से प्रेम व मुह़ब्बत करता है तो जिब्रील अलैहिस सलाम से फरमाता है के अल्लाह तआ़ला फलां बन्दे से मुह़ब्बत करता है तो तुम भी इस से मुह़ब्बत करो। तो जिब्रील अलैहिस सलाम इस से प्रेम व मुह़ब्बत करते हैं एवं ह़ज़रत जिब्रील अलैहिस सलाम आकाश वालों को सूचना देते हैं के निस्संदेह अल्लाह तआ़ला फलां बन्दे से मुह़ब्बत फरमाता, तो तुम इस से मुह़ब्बत करो। तो आकाश वाले इस से मुह़ब्बत करने लगते हैं, फिर धरती में इस स्वीकृत रखदी जाती है।

(सहीह बुखारी, ह़दीस संख्याः 3209 / सहीह मुसलिम, ह़दीस संख्याः 6873 / मवत्ता इमाम मालिक, ह़दीस संख्याः 1747 / मुसनद इमाम अह़मद, ह़दीस संख्याः 7840)

सोंचिए के आकाशों में इन के स्मरण हुआ करते हैं। उच्च स्थान में इन की प्रतिभा व वैभव वर्णन होती है। अल्लाह के प्रिय होने के नाते से अल्लाह के प्राणी इन से मुह़ब्बत करने लगते हैं। अल्लाह तआ़ला के फरिश्ते भी इन्हें अपना बना लेते हैं।

तथा मुह़ब्बत करने का ये सिलसिला वहीं समाप्त नहीं होता बल्कि इस की बरकतें धरती में प्रकट करदी जाती है। इन प्रिय बन्दों की मुह़ब्बत अल्लाह

तआ़ला के प्राणी के दिलों में ड़ाल दी जाती है। यही ऑलिया किराम के लिए गवाही तथा शुभ-सूचना का माध्यम है।

देहान्त के समय फरिश्तों का शुभ सन्देश

हज़रत अ़ता, हज़रत ज़हरी तथा हज़रत खतादह ने कलिमे बशरी की विस्तार इस प्रकार कीः

भाषांतरः- निश्चय जिन लोगों ने कहाः "हमारा रब अल्लाह है।" फिर इस पर दृढ़तापूर्वक जमे रहे, उनपर फ़रिश्ते उतरते हैं कि "ना ड़रो और ना शोकाकुल हो, एवं उस जन्नत की शुभ सूचना लो जिसका तुम से वादा किया गया था।"

(सुरह हा मीम सजदाः 41:30)

ऑलिया किराम के दाहन्त के समय अल्लाह तआ़ला के दरबार से फरिश्ते शुभ समाचार लेकर उपस्थित होते हैं एवं इस पर ये अल्लाह तआ़ला का आदेश सुनाते हैः इन के पास फरिश्ते प्रकट होते हैं के तुम मत ड़रो तथा ना उदास ना हो एवं खुश हो जाओ इस जन्नत से जिस का तुम से वादा किया गया था। (तफसीरे खाज़िन, सुरह हा मीम सजदाः 41:30)

व्याख्या के विशेषज्ञ के आख्यान से सच्चाई उजारगर होती है के ऑलिया किराम का सांसारिक जीवन हो या परलोक का जीवन प्रत्येक सफल हैं। आखिरत में तो इन के लिए सदैव प्रतिभा व वैभव निश्चिंत व स्थिर है।

अतः अल्लाह तआ़ला इन्हें विश्व लोक में भी कुशल व हित, सम्मान व प्रतिष्ठा प्रदान करता है।

ऑलिया अल्लाह के जीन का परीक्षण- बरकत का माध्यम

ये एक सच्चाई है के हम धर्म के पूर्वजों से अखीदत का प्रदर्शन अपनी ओर से नहीं करते, बल्कि अल्लाह तआ़ला ने इन के सम्मान वाले बयान को अपने धन्य कलाम में वर्णन किया है। नबी रहमत सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने अपने पवित्र कलाम में इन के स्तर व दर्जे को उजागर किया है।

और सहाबा किराम, मुहद्दिसीन व फुक़्हा रज़ियल्लाहु तआला अन्हुम ने अपनी पुस्तकों तथा रचनाओं में सम्पूर्ण उदारता के साथ क़ुरान व हदीस में किए गए इन के वर्णन को सुरक्षित कर दिया। इसी कारण से इसलामी साहित्यिक रचना का संकलन इन धर्म के पूर्वजों के स्मरण से भरा हुआ है।

इसलामी पुस्तकालय में अनेक ज्ञान व कला में स्मरण का ज़िक्र विशेष रूप से मिलता है। जिस में स्वयं बुज़ुर्गों का वर्णन, ऑलिया अल्लाह के घटना तथा संप्रदाय के पुण्यात्मा ते तथन व लोकिक्ति वर्णन होते हैं।

ऑलिया के घटना- इ़मान में मज़बूती का माध्यम

अल्लाह तआ़ला के बन्दों के वर्णन को पढ़ते हैं। इन के धन्य जीवन से अभ्यास प्राप्त कर के अपना संसार व आखिरत सफल बनाने की कोशिश करते हैं। धर्म के पूर्वजों के हालात का प्रदर्शन करना, इन के घटना सुनने तथा सुनाने से संबंधित हज़रत शैखुल इसलाम इमाम अनवार उल्लाह फारूखी रहमतुल्लाहि अलैह फरमाते हैः

प्रथम इ़मान को शक्तिशाली करने की चिन्ता करें तथा इस का अभ्यास यही है के धर्म के पूर्वज के घटना व हालात वर्णन किए जाएं। ताकि इन के कमालात व उत्तमता के समान में अपने दोष व कमी पर नज़र पढ़े। तथा दिलों में वलवले उत्पन्न हों।

भाषांतरः- रसूलों के वृत्तान्तों में से प्रत्येक वह कथा जो हम तुम्हें सुनाते उस के द्वारा हम तुम्हारे हृदय व मन को सुदृढ़ करते हैं। एवं इस में तुम्हारे पास सत्य आ गया है तथा मोमिनों के लिए उपदेश एवं अनुस्मरण भी।

दिल में गुणी कैफियत उत्पन्न हो। क्यों के मानव अपने धन्य पूर्वजों के व्यवहार व आदत स्वीकृत सुनता है एवं इन में जिन को अधिक उच्च स्तर में संबोधित पाता है इन से अधिक स्नेह व प्रेम होता है। इन के जिसे शिष्टाचार व संस्कृति एवं गुण प्राप्त करने की चिन्ता व विचार करता है।

यही कारण है के अ़रब आदि में जब किसी कबीले को उभारने की अवश्यकता होती तो खतीबों, शायरों व उपदेशकों के पूर्वजों के नामवर व महान कारनामें वर्णन करते। जिस से कबीले का कबीले युद्ध के लिए तैयार हो कर विजय प्राप्त करता।

इसी कारण से वह अपने पूर्वजों के हालात सुन कर इन के नक्ष क़दम चलने पर उत्सुक हो जाते एवं जान की भी परवा ना करते। क्यों के मुहब्बत व प्रेम की उपेक्षा यही है के मानव पर अपने प्रिय का पालन करना सरल व आसान होता है।

इसी प्रकार यदि अध्यक्ष व प्रवचन करने वाले इसलाम के पूर्वजों की महानता व विशालता तथा करामात मुसलमानों के बुद्धि में बिठा दें एवं इन के शिष्टाचार व सभ्याचार जो इन की उन्नति एवं करामत के कारण थे वर्णन किया करें तो उनकी फितर की इच्छा के अनुसार स्वयं इन को इन शिष्टाचार व संस्कृति पर कार्रवाई होने की कामना उत्पन्न होगी।

कम से कम इस का प्रभाव इतना तो अवश्य होगा के अपने उच्च कथन एवं कमज़ोर इ़मान पर अपमानित व शर्मिंदा होंगे तथा ये शर्मिंदगी भी कुछ कम नहीं। बल्कि वही असल तौबा या तौबा का उद्देश्य है। अर्थात मुसलमानों के अधिकार में करामात व चमत्कारों के वर्णन से श्रेष्ठतर कोई चीज़ नहीं।

(मखासिद उल इसलाम, जिल्द 07, पः 181-182)

ऑलिया अल्लाह का स्मरण – बीमारी के लिए उपचार

ऑलिया अल्लाह के हालात व करामात, घटना व हिकायतें एवं इन का वर्णन की बरकत व महत्व स्पष्ट करते हुए हज़रत अबुल हसनात सैय्यद अबदुल्लाह शाह नक्षबंदी मुहद्दिसे-देक्कन रहमतुल्लाहि अलैह फरमाते हैः

अल्लाह तआ़ला की मुहब्बत व प्रेम एवं हृदय की रोशनी व दीपक के लिए जिस प्रकार ज़िक्र की अधिकता तथा क़ुरान की तिलावत की सालिक के लिए अत्यन्थ अवश्यकता है इसी प्रकार ऑलिया अल्लाह के जीवन का स्मरण भी हमेशा देखते रहना अवश्य है।

हज़रत जुनैद बग़दादी रहमतुल्लाहि अलैह से लोगों ने पूछा के सालिक के लिए अल्लाह के मार्ग के मनुष्य की हिकायत एवं रिवायतों से क्या लाभ है? आप ने फरमाया के अल्लाह तआ़ला के मित्रों व दोस्तों के स्मरण से सालिक का टूटा हुआ दिल मज़बूत हो कर शक्तिशाली हो जाता है एवं ऑलिया अल्लाह के ज़िक्र की बरकत से अल्लाह तआ़ला की रहमत का प्रकटन होता रहता है।

हज़रत शैख अबु अ़ली दख्खाख रहमतुल्लाहि अलैह कहते हैः अल्लाह के मार्ग के मनुष्य का वर्णन सुन्ने से दो लाभ होते हैं। एक तो ये के यदि सालिक को अल्लाह की इच्छा हो तो इस का घमण्ड व अहंकार कम हो जाता है एवं घमण्ड का दावा सर से निकल ही जाता है एवं अपनी बुराई इस को बुराई नज़र आने लगती है एवं अपने भीतर का अंधेरेपन से भी अनुभव हो जाता है।

(उद्धोरणः मवाइ़ज़ हसना, जिल्द 01, पः 132)

संसार में ऑलिया का अनुमोदन व आशीष

क्यों के ऑलिया अल्लाह अपनी सर्व जीवन अल्लाह तआ़ला की बन्दगी व दासता में बिताते हैं। जीवन का हर पल व क्षण अपने रब की याद व स्मृति में गुज़ारते हैं। ज़िक्र व विचार इन के जीवन का प्रिय व्यस्त होने कार्यक्रम हो जाता है एवं इस पर अल्लाह तआ़ला इन का सम्मान व आदर करता है। इन के परिश्रम एवं संघर्ष का प्रतिफाल दान करता है। इन पर दीपक व अनवार की वर्षा करता है।

अल्लाह तआ़ला के बन्दों इन की सेवा में उपस्थित हुआ करते हैं। बरकतें प्राप्त करते हैं एवं संसार को संवारने, परलोक व आखिरत को सुधारने की चिन्ता व सोंच-विचार ले कर इन के दर खटखटाते हैं। इस सिलसिले में हदीस की पुस्तकों के हवाले से बनी इसराइ़ल के एक व्यक्ति की घटना वर्मन की जाती हैः-

भाषांतरः- हज़रत अबु सईद खुदरी रज़ियल्लाहु तआला अन्हु से वर्णित है के हज़रत नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश कियाः तुम से पूर्व वालों में एक व्यक्ति ने 99 हत्या किए। फिर समय के सब से बड़े विद्वान से संबंधित पूछा। तो इसे एक आ़बिद व उपासक (खूब इ़बादत करने वाला) का पता बताया गया एवं वह व्यक्ति इस उपासक के पास गया तथा पूछा के मैं 99 मनुष्य जानों का हत्यारा व घातक हुँ। क्या मेरे लिए तौबा का कोई तरीका व ढंग है? राहबि ने कहाः तेरे लिए तौबा की कोई स्थिति नहीं! तो इस व्यक्ति ने उपासक व आबिद को हत्या कर दी एवं 100 जानों का हत्यारा व घातक ठहरा। फिर समय के सब से बड़े विद्वान से संबंधित पूछ। तो इसे एक विद्वान का पता बताया गया तथा वह इस विद्वान के पास गया तथा पूछा के मैं 100 मानव जानों का हत्यारा हुँ। क्या मेरे लिए तौबा की कोई सम्भावना व गुंजाइश है? इस विद्वान व आ़लिम ने कहाः क्यों नही! तुम्हारे और तुम्हारी तौबा व पश्चाताप के बीच

कौनसी चीज़ आ रही है? तुम फलां स्थान चले जाओ। वहाँ अल्लाह तआ़ला के कुछ पुण्यात्मा बन्दें हैं जो अल्लाह तआ़ला की इ़बादत में व्यस्त रहते हैं। तुम भी इन के साथ अल्लाह तआ़ला की इ़बादत में व्यस्त हो जाओ एवं अपने देश वापस ना आओ। कयों के यहाँ बुरे व दुष्ट लोग रहते हैं। वह व्यक्ति रवाना हो गया। अभी वह रास्ते में ही था के मृत्यु का सन्देश आ गया। अंतिम समय जब इस में चलने की क्षमता ना रही तो वह अपने सीने के बल पुण्यात्मा व धर्मनिष्ठ की बस्ती की ओर बढ़ने लगा। यहाँ तक के इस का देहान्त हो गया। रहमत के फरिश्तों एवं अज़ाब के फरिश्तों में आपस में बहस होने लगी के इस की आत्मा कौन ले जाएगा। रहमत के फरिश्तों ने कहा के ये व्यक्ति सत्य दिल से तौबा कर के अल्लाह तआ़ली की संतुष्टि के लिए आ रहा था। अज़ाब के फरिश्तों ने कहाः इस ने कभी कोई नेक व भले कर्म नहीं किया। ऐसे में एक फरिश्ता मनुष्य के रूप में इन के पास आया। फरिश्तों ने अपना निर्णय इस के हवाले कर दिया। इस फरिश्ते ने कहा के धरती की धारिता करो। ये जिस बस्ती के निकट हो उसे इन ही में शुमार कर लो (यदि धर्मनिष्ठ व पुण्यात्मा की बस्ती के निकट था तो रहमत का योग्य है एवं यदि पापियों की बस्ती के निकट था तो इसे अज़ाब के फरिश्ते ले जाएंगे) धरती की धारिता की गई तो नेक लोगों से इस का अंतर निकट निकला। अर्थात रहमत के फरिश्ते इस की आत्मा ले गए।

सहीह बुखारी की रिवायत में वर्मित है के अल्लाह तआ़ला ने धर्मनिष्ठा से खरीब वाली धरती को आदेश दिया के वह खरीब हो जाए एवं पापियों से निकट वाली धरती को आदेश दिया के दूर हो जाए।

(सहीह बुखारी, हदीस संख्याः 3470 / सहीह मुसलिम, हदीस संख्याः 7184 / सुनन इब्न माजह, हदीस संख्याः 2720 / मुसनद इमाम अहमद, हदीस संख्याः 11453 / मुसन्नफ इब्न अबी शैबा, जिल्द 08, पः 109 / अल सुनन अल कुबरा लिल बैहखी, जिल्द 08, पः 17 / अल मुअ़जम अल

कबीर लित तबरानी 16229 / शुअ़बुल इ़मान लिल बैहखी, हदीस संख्याः 6800 / मुसनद अबी यअ़ला, हदीस संख्याः 997 / सहीह इब्न हिब्बान, हदीस संख्याः 613 / जामेअ़ उल अहादीस लिस सुयूती, हदीस संख्याः 7852 / अल जामेअ़ अ कबीर लिस सुयूती, हदीस संख्याः 1202 / कंज़ुल उ़म्माल, हदीस संख्याः 10157 / ज़ुजाजातुल मसाबीह, बाब उल इस्तेग़फार व अत तौबा)

क़ियामत में ऑलिया के लिए विशिष्टता

ऑलिया अल्लाह के स्तर व प्रतिष्ठा की ये स्थिति है के जो व्यक्ति इन के संगत में होता है। इस पर भी इन के नाते से संबोधन होता है। इन की संयोजन के कारण आभूषण किया जाता है। अल्लाह तअ़ाला ने संसार ऑलिया अल्लाह को प्रतिभा व वैभव प्रदान किया है।

ब्रह्माण पर इन के लिए स्वीकृत को रख दिया है। क्यों के वह अल्लाह तअ़ाला के प्रिय व महबूब होते हैं। इन के माध्यम से जनता व विशेष सभी इन के शैदा हो जाते हैं। इन की प्रशंसा करने लगते हैं।

ऑलिया अल्लाह की प्रधानता व विशालता को प्रकट करते हैं। इन के दरबारों में उपस्थिति के लिए जाते हैं। इन की प्रफुल्लित व अभिमन्त्रित संगत से संबोधित हुआ करते हैं। विश्व संसार में तो इन की यही कैफियत व परिस्थिति रहती है एवं आखिरत व परलोक में भी बड़ी सविशेष प्रतिभा के साथ रहेंगे।

अल्लाह तअ़ाला इन पर अपनी विशेष प्रदान करेगा। इन पर अनवार का प्रकटन करेगा। क़ियामत का ख़ौफ़ व भय इन से उठा लिया जाएगा तथा अल्लाह तअ़ाला के इस पुरस्कार पर वह अत्यन्त आभूषण में रहेंगे। जैसा के सुनन अबु दाउद में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- हज़रत सैयदना उ़मर बिन खत्ताब रज़ियल्लाहु तआला अन्हु वर्णित करते हैं, सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश कियाः निश्चय अल्लाह तआ़ला के बन्दों में से कुछ ऐसे हैं ना वह पैगम्बर हैं तथा ना शहीद, क़ियामत के दिन अल्लाह तआ़ला के पास इन के स्थान व दर्जे के कारण से पैगम्बर व शहीद इन की प्रशंसा करेंगे। सहाबा किराम ने निवेदन कियाः या रसूल अल्लाह सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम! वह कौन लोग हैं? नबी रहमत सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने फरमायाः वह लोग केवल अल्लाह तआ़ला की रहमत व प्रदान के कारण से आपस में स्नेह व मुहब्बत रखते हैं। ना तो आपसी नातेदारी के कारण एवं ना धन-सम्पत्ति के कारण से। अल्लाह की क़सम! निस्संदेह इन के चेहरे असीमित नुरानी होंगे एवं नूर (के मिम्बरों) पर होंगे। जब लोग ड़र रहे होंगे, उन्हें कोई भय व ख़ौफ़ ना होगा। जब लोग दुःखी व दुविधा में होंगे ये दुःखी ना होंगे एवं सरकार पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने ये पावन आयत तिलावत कीः

भाषांतरः- निस्संदेह अल्लाह के दोस्तों पर ना कोई भय व ख़ौफ़ है एवं ना वह दुखी होंगे।

(सुनन अबु दाउद, जिल्द 02, पः 495, हदीस संख्याः 3528)

ये हदीस पाक मिश्कातुल मसाबीह, जिल्द 02, पः 426 एवं ज़ुजाजातुल मसाबीह, जिल्द 04, पः 103 तथा इस के अतिरिक्त निम्नलिखित हदीस की पुस्तकों में उपलब्ध हैः

मुसतदरक लिल हाकिम, मुसनद इमाम अहमद, शुअ़बुल इमान लिल बैहखी, हिलयतुल ऑलिया ला अबी नुअ़म, इब्न अ़साकिर, इब्न अबी लदुन्निया, इब्न अबी हातिम। तथा इब्न मरदुया के हवाले से कंज़ुल उम्माल में 8 से अधिक बार आई है। (कंज़ुल उम्माल, जिल्द 09, पः 6-9, पः 97) अल

तरग़ीब उल वल तरहीब में 2 बार (जिल्द 04, पः 12, जिल्द 04, पः 11) जामेअ़ उल अहादीस में 3 बार (जिल्द 01, पः 330, जिल्द 03, पः 152, जिल्द 18 पः 248। मजमअ़ उज़ ज़वाईद में 1 बार एवं मुसनद अल हादीस में 1 बार, जिल्द 02, पः 993 पर उपलब्ध है।

ऑलिया अल्लाह के लिए नूर के मिम्बर होंगे

सैयदी हज़रत मुहद्दिस देक्कन हज़रत सैय्यद अबदुल्लाह शाह साहब नक्षबंदी मुजद्दिदी खादरी रहमतुल्लाहि अलैह ने ज़ुजाजातुल मसाबीह, जिल्द 04, पः 103 तिरमिज़ी के हवाले से वर्णन करते हैः

इन के लिए नूर के मिम्बर होंगे, पैगम्बर व शहीद इन की प्रशंसा करेंगे।

इस के साथ-साथ क़ियामत के दिन इन के वस्त्र भी नुरानी होगा। जैसा के कंज़ुल उम्माल, जिल्द 09, पः 08 में मुसनद इमाम अहमद के हवाले से एक लम्बी हदीस पाक है, जिस में ये शब्द हैः

भाषांतरः- अल्लाह तअ़ाला क़ियामत के दिन इन के लिए नूर के मिम्बर रखेगा तो वह इन मिम्बरों पर बैठेंगे निश्चय इन का वस्त्र बड़ा नुरानी होगा एवं इन के चेहरे भी नुरानी होंगे।

निवेदन ये के अल्लाह तअ़ाला प्रिय व महबूब बन्दे क़ियामत के दिन संबोधन में होंगे। अल्लाह तअ़ाला की प्रदान एवं आभूषण पर प्रसन्न रहेंगे। इन के लिए नूर के मिम्बर होंगे। इन का वस्त्र नुरानी होगा एवं इन के चेहरे पर नूर होंगे।

बिना हिसाब जन्नत प्रवेश

अल्लाह तअ़ाला की कृपा यो होकी के इन अल्लाह तअ़ाला के विशेष को जन्नतुल-फिरदौस की शुभ सूचना सुनाई जाएगी। क़ियामत के मैदान की

भयभीत दृश्य से इन्हें सुरक्षित कर दिया जाएगा। इन से हिसाब व किताब नहीं लिया जाएगा।

सहीह मुसलिम में हदीस पाक है हज़रत सैयदना अबु हुरैरह रज़ियल्लाहु तआला अन्हु वर्णित करते हैं के नबी अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम ने आदेश कियाः

भाषांतरः- मेरी (सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम) संप्रदाय व उम्मत से 70,000 बिना हिसाब व किताब जन्नत में प्रवेश होंगे।

(सहीह मुसलिम, हदीस संख्याः 542)

ये उपहार व उपकार केवल इन ही पर निश्चित ना होगा, बल्कि इन के नाते से अन्य इमानवालों पर भी इस की बरकत प्रकट होगी, अर्थात जामेअ़ तिरमिज़ी में हदीस पाक हैः-

भाषांतरः- हज़रत सैयदना अबु उ़मामा रज़ियल्लाहु तआला अन्हु फरमाते हैः मैं ने हज़रत रसूल अकरम सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम को फरमाते हुए सुना मेरे पालनहार ने मुझ से वादा किया के मेरी उम्मत के 70,000 लोग को बिना हिसाब व किताब एवं अज़ाब के जन्नत में प्रवेश करेगा।

एवं प्रत्येक 1000 के साथ 70,000 लोगों को जन्नत में प्रवेश करेगा एवं प्रकृति के हिस्से से 3 हिस्से लोगों को जन्नत में प्रवेश करेगा।

(जामेअ़ तिरमिज़ी, हदीस संख्याः 2624)

अतः धर्म के पूर्वजों ने अल्लाह तआ़ला के ज़िक्र व चिन्ता एवं याद व स्मरण में अपना सर्व जीवन बिता दिया। हमेशा अल्लाह तआ़ला की संतुष्टि व हबीब पाक सल्लल्लाहु तआ़ला अलैहि वसल्लम के प्रेम व स्नेह से भरे रहे एवं अपने संबंधित व अनुयायी लोगों को इसी की शिक्षा व निर्देश करते रहे।

जिस प्रकार इन्हों ने संसार व परलोक को सफल बनाया, इसी प्रकार अल्लाह तआ़ला के बन्दों को भी सारतल मुसतखीम (सत्य मार्ग) पर चलाते हुए, इन का संसार व परलोक को संवारते रहे।

अल्लाह तआ़ला ने इन्हें संसार व परलोक में सम्मान व आदर, उच्चता व उत्तमता से आभूषण किया है एवं इन के धन्य स्मरण को पापों का कफ्फारा (प्रायश्चित) घोषित किया।

ठहरा प्रायश्चित पापों का जो ऑलिया का स्मरण
एवं पैगम्बरों का स्मरण इ़बादत है

(हज़रत शैखुल इसलाम इमाम अनवारुल्लाह फारूख रहमतुल्लाहि अलैह)

अल्लाह तआ़ला हमें ऑलिया अल्लाह से स्नेह व मुहब्बत व अखीदत प्रदान करे एवं इन की धन्य व प्रफुल्लित संगत से संबोधित करे।

आमीन